कृषि विज्ञान केन्द्र
गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)
ई–न्यूज लेटर
मई 2025, अंक 13

पोषण पखवाडा अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (**ICAR**) की विभिन्न इकाईयों द्वारा दिनांक 8 अप्रेल से 22 अप्रेल 2025 तक पोषण पखवाडा अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु पोषण के प्रति जागरूकता को बढाना, महिलाओं एवं बालिकाओं में बढ रहे एनीमिया को कम करना तथा पोषण संवेदनशील कृषि प्रसार हेतु आंगनबाडी कार्यकर्ताओं एवं कृषक महिलाओं को प्रेरित करना था ।

इसी संदर्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा विभिन्न गतिविधियों (प्रशिक्षण, समूह मिटिंग, जागरूकता, प्रसार कार्यक्रमों) आदि के माध्यम से पोषण पखवाडे का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार कक्ष, पंचायत समिति स्तर एवं ग्रामीण स्तर पर किया गया ।

पोषण पखवाडा गतिविधि श्रृंखला अन्तर्गत दिनांक 8 अप्रेल को सामुहिक मिटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें कृषक महिलाओं को पोषण संवेदनशील कृषि को बढाने हेतु एवं प्रत्येक घर में खरीफ एवं रबी सीजन की पोषाहार वाटिका लगाने हेतु तकनीकी सलाह दी गई । दिनांक 9 अप्रेल 2025 को आंगनबाडी कार्यकर्ताओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन बाल विकास विभाग, सरदारशहर के समन्वय से सम्पन्न हुआ । इसके अन्तर्गत बाजरे के पोषण मूल्य तथा जैव संवर्धित किस्मों की जानकारी दी

गई । साथ ही पोषण थाली के प्रदर्शन द्वारा संतुलित भोजन के विभिन्न अवयवों (प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, फाइबर आदि) अनुपात को दर्शाकर अनुप्रयोग हेतु दर्शाया गया । दिनांक 16 अप्रेल 2025 को बरलाजसर गांव में प्रशिक्षण का आयोजन कर अंकुरित अनाजों द्वारा बनाये गये विभिन्न व्यंजनों (अंकुरित मूंग–मोठ चाट, पौष्टिक दलिया, नमकीन खीचडी) का प्रायोगिक प्रदर्शन कर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया । पोषण पखवाडे के समापन्न समारोह में अर्द्ध शुष्क क्षेत्र के पौष्टिक खाधान्नों, श्री अन्न एवं दालों, सब्जियों के प्रयोग से विभिन्न पौष्टिक व्यंजनों (बाजरे की खीचडी, हलवा, खीर, लड्डू एवं मोठ पुडी, दही बडे अंकुरित मोठ चाट) आदि से

पौष्टिक थाली बनाकर व्यंजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 15 गांवों की महिलाओं एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लेकर पोषण की महत्ता को समझा ।

कपास उत्पादन की तकनीकी विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा कपास उत्पादन की तकनीकी विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण दिनांक 18 अप्रेल 2025 को ग्राम पुनुसर, तहसील सरदारशहर में आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण में 26 प्रगतिशील कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण दौरान केन्द्र के फसल उत्पादन विषय विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने किसानों को कपास के उपयोग, महत्व, बुवाई के समय, उपयुक्त उन्नत किस्मों, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी । साथ ही कपास में बीजोपचार तकनीक, समन्वित कीट प्रबंधन एवं गुलाबी सुंडी के प्रबंधन हेतु अपनाई जाने वाली तकनीकियों को विस्तारपूर्वक समझाकर अपनाने हेतु प्रेरित किया ।

बेर में प्रूनिंग तकनीकः विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 19 अप्रेल 2025 को ग्राम सवाई में एक दिवसीय असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण मुख्यतः बेर में कटिंग प्रूनिंग तकनीक विषय पर आधारित था । जिसमें 20 किसान एवं किसान महिलाओं ने भाग लिया । केन्द्र के उद्यान विशेषज्ञ श्री अजय कुमावत ने प्रूनिंग तकनीक के बारे में बताया कि यह बागवानी किया है जिसमें पौधे की अनावश्यक, कमजोर, रोगग्रस्त या पुरानी शाखाओं को काटकर हटाया जाता है ताकि नई, स्वस्थ और फलवंत शाखाओं का विकास हो सके । पौधों की सूखी, रोगग्रस्त और अनावश्यक टहनियों की समय पर छंटाई से न केवल फसल की गुणवता अच्छी होती है, बल्कि फल देने की क्षमता भी बढ जाती है । बेर की फसल के लिए मध्य मई का समय प्रूनिंग के लिए सबसे उपयुक्त होता है ताकि प्रारंभिक मानसून में प्र्याप्त नमी उपलब्ध होते ही नई कोंपले आसानी से निकलती है । नियमित रूप से प्रूनिंग करने से बेर की उपज में 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्वि होती है, साथ ही फलों का आकार, रंग और मिठास भी भरपूर होता है । केन्द्र के विषय विशेषज्ञ ने प्रूनिंग की विधि एवं सावधानियों के बारे में बताते हुए समझाया कि तेज, साफ और निष्फलित प्रूनिंग कैंची या आरी का प्रयोग करें तथा शाखाओं को 45 डिग्री के कोण पर काटे ताकि वर्षा का जल ठहर नहीं सके एवं कटाई के उपरांत कटे हुए स्थान पर फंफूदनाशक लेप अवश्य करें ।

मृदा नमूना लेने की विधि एवं लवणीय मृदा प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा मृदा नमूना लेने की विधि एवं लवणीय मृदा प्रबंधन विषय पर दिनांक 23 से 26 अप्रेल 2025 तक चार दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन केन्द्र के परिसर हॉल में किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के. सैनी द्वारा फसल उत्पादन हेतु मृदा परीक्षण, नमूने लेने की विधि, मृदा स्वास्थय कार्ड (भ्ब) परीक्षण परिणामों के आधार पर मिट्टी में पोषक तत्वों के उपयोग की जानकारी के साथ में लवणीय मृदा प्रबंधन हेतु कृषकों को प्रशिक्षित किया गया । इस अवसर पर केन्द्र पर स्थापित मृदा एवं जल परीक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण कराया गया । इस प्रशिक्षण में सरदारशहर तहसील के 23 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के दौरान सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री हरीश रछौया ने ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई की विधियों व अन्य कृषि क्रियाओं के बारे में भी किसानों को जानकारी दी ।

खरीफ फसलों में मृदा व बीजोपचार विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 28 अप्रेल से 1 मई 2025 के दौरान ग्राम बरलाजसर के 25 कृषक व महिला कृषकों के लिए खरीफ फसलों में मृदा व बीजोपचार विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया । प्रशिक्षण के दौरान कार्यक्रम संयोजक श्री मुकेश शर्मा, विषय विशेषज्ञ पौध सरंक्षण ने कृषकों को खरीफ फसलों (बाजरा, मूंगफली, कपास, मूंग, मोठ, ग्वार) की बुवाई से पूर्व मृदा उपचार व बीजोपचार की पद्वति के बारे में प्रायोगिक व सैद्वान्तिक जानकारी दी ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I